992803

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4 एम.एच.डी.-11

MASTER OF ARTS (HINDI)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2019
एम.एच.डी.-11 : हिन्दी कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***तीन*** *के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $2 \times 10 = 20$

(क) एक तो पीठ में गुदगुदी लग रही है। दूसरे रह-रहकर चम्पा का फूल खिल जाता है उसकी गाड़ी में। बैलों को डाँटो तो 'इस-बिस' करने लगती है उसकी सवारी। ..... उसकी सवारी! औरत अकेली, तम्बाकू बेचने वाली बूढ़ी नहीं! आवाज सुनने के बाद वह बार-बार मुड़कर टप्पर में एक नजर डाल देता है, अंगोछे से पीठ झाड़ता है। .... भगवान जाने क्या लिखा है इस बार उसकी

किस्मत में! गाड़ी जब पूरब की ओर मुड़ी, एक टुकड़ा चाँदनी उसकी गाड़ी में समा गयी। सवारी की नाक पर एक जुगनू जगमगा उठा। हिरामन को सबकुछ रहस्यमय-अजगुत-अजगुत लग रहा है। सामने चम्पानगर से सिंधिया गाँव तक फैला हुआ मैदान! ..... कहीं डाकिन-पिशाचिन तो नहीं?

(ख) उसे कैसे बताऊँ कि मेरे प्यार का, मेरी कोमल भावनाओं का, भविष्य की मेरी अनेकानेक योजनाओं का एकमात्र केन्द्र संजय ही है। यह बात दूसरी है कि चाँदनी रात में, किसी निर्जन स्थान में, पेड़ तले बैठकर भी मैं अपनी थीसिस की बात करती हूँ या वह अपने ऑफिस की, मित्रों की बातें करता है, या हम किसी और विषय पर बात करने लगते हैं ..... पर इस सबका यह मतलब तो नहीं कि हम प्रेम नहीं करते! वह क्यों नहीं समझता कि आज हमारी भावुकता यथार्थ में बदल गई है, सपनों की जगह हम वास्तविकता में जीते हैं ! हमारे प्रेम को परिपक्वता मिल गई है, जिसका आधार पाकर वह अधिक गहरा हो गया है, स्थायी हो गया है।

(ग) यह कौन शख्स है, जो मुझसे इस तरह बात कर रहा है? लगा कि मैं सचमुच इस दुनिया में नहीं रह रहा हूँ, उससे कोई दो सौ मील ऊपर आ गया हूँ जहाँ आकाश, चाँद-तारे सूरज सभी दिखायी देते हैं। रॉकेट उड़ रहे हैं। आते हैं, जाते हैं और पृथ्वी एक चौड़े नीले गोल जगत् सी दिखाई दे रही है, जहाँ हम किसी एक देश के नहीं हैं, सभी देशों के हैं। मन में एक भयानक उद्वेगपूर्ण भारहीन चंचलता है। कुल मिलाकर, पल-भर यही हालत रही। लेकिन वह पल बहुत ही घनघोर था। भयावह और सन्दिग्ध।

(घ) और फिर दूसरों की दया पर सम्मान? अपने निजत्व को खोकर दूसरों के शतरंज का मोहरा बनकर रह जाना, बैसाखियों पर चलते हुए जीना—नहीं कभी नहीं! सिलिया सोचती-'हम क्या इतने भी लाचार हैं, आत्मसम्मान रहित है, हमारा अपना भी तो कुछ अहम् भाव है। उन्हें हमारी जरूरत है, हमको उनकी जरूरत नहीं। हम उनके भरोसे क्यों रहें। पढ़ाई करूँगी, पढ़ती रहूँगी, शिक्षा के साथ अपने व्यक्तित्व को भी बड़ा बनाऊँगी।

उन सभी परम्पराओं के कारणों का पता लगाऊँगी। जिन्होंने उन्हें अछूत बना दिया है। विद्या, बुद्धि और विवेक से अपने आपको ऊँचा सिद्ध करके रहूँगी।

2. " 'बदबू' में पूँजीवादी व्यवस्था द्वारा मनुष्य की संवेदना को चोट पहुँचाने का विरोध है।" इस कथन पर विचार कीजिए। 10

3. 'मलबे का मालिक' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'ड्राइंग रूम' कहानी की अन्तर्वस्तु पर विचार कीजिए।10

5. 'बोलने वाली औरत' कहानी के आधार पर कथाकार की स्त्री-दृष्टि का विवेचन कीजिए।

6. 'तलाश' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $(2 \times 5 = 10)$

(क) साठोत्तरी कहानी

(ख) कथाकार असगर वज़ाहत

(ग) 'सुख' कहानी का महत्त्व

(घ) 'हँसा जाई अकेला' की भाषा शैली